

गीता में भी यही लिखा है

गीता में भी यही लिखा है, यही है वेद पुराण में
क्यों भगवान को दर दर ढूँढे, वो है हर इंसान में

धरती के कण कण में वो है, पर तु देख न पाता है
धन दौलत के चक्कर में क्यों, अपना वक्त गंवाता है
वो ही शमाया सारे रे जगत में, निर्धन ओर धनवान में॥ क्यों भगवान को

अपने बल पर क्यों इतराता , बनता है बलशाली क्यों
काहे गरब दिखाता पगले, छाई है मतवाली क्यों
सबमें उनका नूर है प्यारे , निर्बल ओर बलवान में॥ क्यों भगवान को

वो ही बनाये वो ही मिटाये, तेरे बस की बात है क्या
तुझमें ही भाई उसकी माया, फिर तेरी ओकात है क्या
उसकी माया सबमें नाचे, साधु ओर शैतान में॥ क्यों भगवान को

कर्म करो शुभ कर्म करो , इतिहास सभी ये कहते है
कर्म करे जो जैसा प्यारे, वैसा ही फल पाते है
कहे गोपाल खेल कर्मों का, रावण ओर हनुमान में॥ क्यों भगवान को

अजय जांगिड़ खूड़ 8058333070

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12025/title/geeta-me-bhi-yahi-likha-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |